पंजाब राज्य केन्द्र के अधिकारियों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम–सह-कार्यशाला

Two Days Training Programme–cum-Workshop for Officers of NIC Punjab

व्यावसायिक विकास और ज्ञान वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनआईसी पंजाब ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह परिवर्तनकारी कार्यक्रम चंडीगढ़ में महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एमजीएसआईपीए) में 4 फरवरी से 5 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया गया। श्री विवेक वर्मा, डीडीजी और एसआईओ पंजाब की अध्यक्षता में कार्यशाला ने सीखने, सहयोग और विकास के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। एनआईसी पंजाब के अलावा सभी बाहरी वक्ताओं का स्वागत पौधे के गमले और सम्मान के प्रतीक के साथ किया गया। इस कार्यशाला ने सफलतापूर्वक खुले संचार के लिए एक मंच तैयार किया, जिससे अधिकारियों को अपने अनुभव, मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावित समाधान साझा करने का मौका मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम–सह-कार्यशाला - पहला दिन (4 फरवरी, 2025)

कार्यशाला की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया और औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन किया गया। संयुक्त निदेशक (आईटी) और वैज्ञानिक-डी सुश्री रूपिंदर कौर ने सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया और इस शैक्षिक पहल के लाभों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनआईसी पंजाब के महानिदेशक (डीजी) और राज्य समन्वयक श्री इंदर पाल सिंह सेठी की आभासी उपस्थिति से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में एनआईसी दिल्ली के प्रशिक्षण प्रभाग के प्रमुख श्री सज्जाद अख्तर भी शामिल हुए।

श्री विवेक वर्मा, डीडीजी और एसआईओ पंजाब ने 04.02.2025 को उद्घाटन सत्र दिया, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े एनआईसी पंजाब के महानिदेशक (डीजी) और राज्य समन्वयक श्री इंद्र पाल सिंह सेठी, प्रशिक्षण प्रभाग के प्रमुख श्री सज्जाद अख्तर और डेटा एनालिटिक्स (डीए) सूचना विज्ञान प्रभाग, एनआईसी मुख्यालय के निदेशक (आईटी) श्री अनिल कुमार शर्मा और राज्य केंद्र और जिलों के अन्य सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

उद्घाटन सत्र में डीडीजी और एसआईओ पंजाब श्री विवेक वर्मा ने कार्यशाला के आयोजन में उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए एनआईसी के महानिदेशक श्री इंद्र पाल सिंह सेठी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्रभाग मुख्यालय के विभागाध्यक्ष के योगदान की भी सराहना की और जमीनी स्तर पर आईटी पहलों को लागू करने में जिला अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने हाल के चुनावों में नवनियुक्त डीआईए के असाधारण प्रदर्शन को स्वीकार किया और उन्हें वरिष्ठ डीआईओ के मार्गदर्शन का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सहयोग को बढ़ावा देने, नए उपकरण सीखने और जिला-स्तरीय आईटी शासन को बढ़ाने के लिए अभिनव विचारों को साझा करने में कार्यशालाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जिला प्रशासन के लिए चीजों को आसान बनाने के लिए निरंतर आईटी समर्थन और उनकी सलाहकार भूमिका के लिए डीआईओ को भी धन्यवाद दिया।

अपने संबोधन में, **श्री सज्जाद अख्तर, वैज्ञानिक एफ और एचओडी प्रशिक्षण प्रभाग, एनआईसी दिल्ली** ने कार्यशाला के आयोजन के लिए एसआईओ पंजाब की सराहना की और एनआईसी अधिकारियों को कौशल प्रदान करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में एनआईसी दिल्ली के प्रशिक्षण प्रभाग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों से इन सीखने के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने इस व्यापक दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए एसआईओ पंजाब और उनकी टीम को हार्दिक बधाई भी दी। यह आयोजन एनआईसी पंजाब के समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बोलते हुए, **एनआईसी के महानिदेशक श्री आई.पी.एस. सेठी** ने एनआईसी पंजाब की इस पहल की सराहना की और आईटी क्षेत्र में प्रगति के बारे में जागरूकता बढ़ाने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने में एनआईसी पंजाब के नेतृत्व को स्वीकार किया और चुनाव, नेवा, ईऑफिस और ईसनद जैसे प्रमुख अनुप्रयोगों के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि एनआईसी पंजाब अपने दो अभिनव उत्पादों को न्यूनतम अनुकूलन और प्रशिक्षण के साथ अन्य राज्यों में दोहराने के लिए साझा करे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राज्य सरकार को निरंतर समर्थन का आश्वासन देते हुए क्षमता निर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपनी पूरी प्रतिबद्धता दोहराई और पंजाब की अपेक्षाओं को पूरा करने की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के बाद, डिवीजन 2, डिवीजन 4 और डिवीजन 6 की ओर से प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें उनके द्वारा प्रबंधित की जा रही महत्वपूर्ण प्रमुख परियोजनाओं पर प्रकाश डाला गया। डिवीजन 2 ने

हाइब्रिड ऐप डेवलपमेंट प्रतिमान, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा दिशा-निर्देश आदि पर अवलोकन सहित अपनी परियोजनाओं की प्रस्तुति दी।

एसआईओ पंजाब ने जिला अधिकारियों को जिला स्तर पर आईटी समाधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस करने में इन प्रस्तुतियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उन परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला जो जिला स्तर पर सबसे अच्छी तरह से प्रबंधित और निष्पादित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अनुरोध करने पर जिला प्रशासन को एनआईसी पंजाब राज्य केंद्र टीम द्वारा विकसित वेबसाइट निर्माण समाधान की पेशकश करने का सुझाव दिया। श्री विक्रम जीत ग्रोवर, एएसआईओ राज्य ने डीआईओ, एडीआईओ और डीआईए को इन परियोजनाओं की कार्यक्षमता से खुद को परिचित करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि जिला स्तर पर उनका सफलतापूर्वक अपनाया जाना सुनिश्चित हो सके।

यूआईडीएआई दिल्ली के उप निदेशक (एएंडवी) श्री प्रतीक चौधरी ने आधार प्रमाणीकरण पारिस्थितिकी तंत्र पर एक तकनीकी सत्र आयोजित किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में आधार डेटा उपयोग के लिए ऑडिट और अनुपालन आवश्यकताओं पर जोर दिया गया। उन्होंने एयूए और सब-एयूए के लिए दिशा-निर्देशों की रूपरेखा तैयार की और आधार प्रमाणीकरण विधियों और आधार वॉल्ट के बारे में बताया। उनके सत्र में आधार, इसके कानूनी प्रावधानों और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जुड़े तथ्यों के बारे में बहुमूल्य जानकारी शामिल थी। उन्होंने आधार प्रमाणीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और आधार सत्यापन के लिए विभिन्न उपयोग मामलों और विधियों के बारे में विस्तार से बताया।

श्री विवेक अत्रे (सेवानिवृत आईएएस) द्वारा "भावनात्मक बुद्धिमत्ता के माध्यम से अपने भीतर सफलता पाना" विषय पर एक प्रेरक सत्र में कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक और मानसिक फिटनेस, आध्यात्मिकता और व्यक्तिगत कल्याण के महत्व पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

एनआईसी मुख्यालय के डीए इंफॉर्मेटिक्स डिवीजन के निदेशक (आईटी) श्री अनिल कुमार शर्मा ने तेजस VI डेटा एनालिटिक्स पर एक तकनीकी सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने एनआईसी द्वारा विकसित इन-हाउस विज़ुअलाइज़ेशन टूल तेजस का प्रदर्शन किया और कोलैबफाइल्स, एनआईसी फॉर्म्स और संदेश जैसी एनआईसी सेवाओं के साथ इसके एकीकरण का प्रदर्शन किया। उन्होंने डेटा तैयार करने, डेटा एक्सेस विधियों, विज़ुअलाइज़ेशन क्षमताओं और दिल्ली राज्य उत्पाद शुल्क विभाग और एनजीडीआरएस जैसी विभिन्न सरकारी परियोजनाओं में टूल के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

श्री अजीत कुंदन, प्रबंधक - समाधान परामर्श, एकॉप्स ने ईऑफिस तक पहुँचने के लिए एक सुरक्षित, मेड-इन-इंडिया समाधान, वेब वीपीएन पर एक तकनीकी सत्र आयोजित किया। उन्होंने सीआरपीएफ, इसरो और डीआरडीओ जैसे संगठनों द्वारा इसके बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से एनी डेस्क और टीमव्यूअर जैसे रिमोट डेस्कटॉप अनुप्रयोगों पर सरकार के प्रतिबंधों के जवाब में। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान वेब वीपीएन पर बढ़ती निर्भरता पर भी चर्चा की।

पूरे दिन, नवनियुक्त डीआईए ने अपने अनुभव और कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को साझा किया। एसआईओ पंजाब ने दोहराया कि कार्यशाला का उद्देश्य डिजिटल परिवर्तन के लिए एनआईसी अधिकारियों को सशक्त बनाना है, जिला स्तर पर आईटी शासन में डीआईओ और डीआईए की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने जिला अधिकारियों को एनआईसी पंजाब की परियोजनाओं से खुद को परिचित करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे अपने अधिकार क्षेत्र में प्रश्नों का प्रभावी ढंग से समाधान कर सकें और सूचित समाधान प्रदान कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम–सह-कार्यशाला - दूसरा दिन (5 फरवरी, 2025)

दूसरे दिन, डिवीज़न 5, डिवीज़न 7 और IVFRT की ओर से प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें इन डिवीज़नों द्वारा प्रबंधित प्रमुख प्रमुख परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया। डिवीज़न 5 ने AI अवधारणाओं का अवलोकन भी प्रदान किया और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हुए दो केस स्टडीज़ प्रस्तुत कीं। डिवीज़न-I ने निर्धारित समय सीमा में डिवीज़न के उद्देश्यों को प्राप्त करने में टीमवर्क के लाभों को रेखांकित किया। श्री राज कुमार टिक्कू, विभागाध्यक्ष और IVFRT समन्वयक पंजाब ने eSanad और ICJS के बारे में स्थिति और विवरण बताया। डिवीज़न 7 ने माइक्रोसर्विस आर्किटेक्चर पर संक्षिप्त जानकारी के साथ माइक्रो सेवाओं के दो उपयोग मामलों का प्रदर्शन किया।

एसआईओ पंजाब ने सुझाव दिया कि एचआरएमएस, ई-तुला, पीडीएस आदि ऐसी परियोजनाएं हैं जिन्हें जिला स्तर पर सबसे बेहतर तरीके से संभाला जा सकता है। उन्होंने पंजाब में ई-सनद के कार्यान्वयन के लिए जिला अधिकारियों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की।

एनआईसी पंजाब के वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और ईमेल समन्वयक श्री संजय साहनी ने ईमेलिंग, ईमेल नीति और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा अधिनियम 2023 पर एक सत्र आयोजित किया। उनके सत्र में सुरक्षित ईमेल संचार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश, ईमेल प्रबंधन में सर्वोत्तम अभ्यास और नए डेटा सुरक्षा ढांचे के तहत अनुपालन उपायों को शामिल किया गया।

एएसआईओ जिला जोन 1 और एएसआईओ जिला जोन 2 का इंटरेक्शन सत्र

एएसआईओ जिला जोन 1 और जोन 2 के इंटरेक्शन सत्र के दौरान, कई जिला अधिकारियों ने अपनी परियोजनाएं और तकनीकी पहल प्रस्तुत कीं। मुख्य आकर्षण में शामिल हैं:

- श्रीमती उषा राय, वैज्ञानिक एफ और एएसआईओ जिला (जोन 2) ने दैनिक कार्यालय के काम के लिए हिंदी का उपयोग करने और प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे रिकॉर्ड के प्रबंधन के लिए एक प्रणाली के आगामी विकास की घोषणा की। उन्होंने डीआईओ को एनआईसी दिल्ली और विद्याकोश द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकन के लिए भी प्रोत्साहित किया।
- श्रीमती उषा राय, एएसआईओ जिला (जोन 2) ने नवनियुक्त डीआईए के लिए वीसी के माध्यम से पहले विभिन्न प्रशिक्षणों के आयोजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने, उन्हें पत्र, ईमेल हस्ताक्षर और स्टाम्प पर भी उचित पदनाम का उपयोग करने का निर्देश दिया।
- श्री अनिल डोगरा ने आगामी एनआईसी एसेट मैनेजमेंट सिस्टम ईएसएएम की शुरुआत की।

- श्री संदीप गुप्ता, वैज्ञानिक एफ और डीआईओ बठिंडा ने एसआईओ से जिला स्तरीय कार्यालयों में एईबीएएस के कार्यान्वयन की पहल करने का अनुरोध किया। अनिल पल्टा, वैज्ञानिक एफ और डीआईओ फिरोजपुर (जोन I) ने डीआईओ द्वारा ई-मालखाना और एक सोर्स कोड उपयोगिता के विकास पर चर्चा की।
- श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक ई और डीआईओ पटियाला (जोन I) ने जिला पटियाला में कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें हिंसा के खिलाफ पीड़ित महिलाओं के लिए शिकायत पंजीकरण और ट्रैकिंग के लिए SAKHI ऐप की तैनाती शामिल है।
- श्री पंकज जैन ने विभिन्न एनआईसी अनुप्रयोगों जैसे कि एफएआरपीएस, सिस्को वीपीएन, ईफॉर्म और वेब वीपीएन आदि के उपयोग और महत्व पर विस्तार से बताया...
- श्री जोनी, वैज्ञानिक बी और डीआईओ बरनाला ने भी जिले को आईटी सहायता प्रदान करने के लिए एनआईसी बरनाला की भूमिका और अपने अनुभव को साझा किया।
- श्री करण, वैज्ञानिक डी और डीआईओ गुरदासपुर ने एनआईसी के भीतर एप्लिकेशन सुरक्षा ऑडिट के लिए सॉफ्टवेयर परीक्षण और ऑडिट प्रक्रियाओं के बारे में बात की।
- श्रीमती शाइन, डीआईओ मलेरकोटला ने जनरेटिव एआई पर एक आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसमें इसके मूल सिद्धांतों और महारत के लिए आवश्यक शर्तों को शामिल किया गया।
- श्री साहिल, डीआईए कपूरथला, और श्री हिमांशु, डीआईए तरनतारन ने एआई और एमएल का उपयोग करके साइबर सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने पर अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की।

प्रशासनिक अनुभाग के साथ सत्र

श्रीमती अंजू वर्मा, अनुभाग अधिकारी, एनआईसी पंजाब ने दिशा-निर्देशों और निर्देशों सहित प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर एक व्यापक जानकारी दी, जिसमें छुट्टी, दौरे की मंजूरी, चिकित्सा बिल, एनओसी, आतिथ्य, सीएचजीएस/एएमए, एलटीसी, यात्रा भत्ते, समय की पाबंदी और कार्यालय अनुशासन के अनुपालन पर जोर दिया गया। उन्होंने दौरे/आधिकारिक ड्यूटी को ठीक से लागू करने, समय पर ज्वाइनिंग के लिए आवेदन करने, छुट्टी लेने से पहले उसकी मंजूरी लेने और आवश्यकता पड़ने पर स्टेशन छुट्टी के लिए आवेदन करने की भी सलाह दी। उन्होंने पीएफएमएस के माध्यम से शीघ्र ही ऑनलाइन बिलों के प्रसंस्करण के बारे में बताया। उन्होंने एनआईसी पंजाब में सभी प्रकार के प्रशासनिक कार्यों के लिए सभी व्यवस्थापक और उसके सहायक कर्मचारियों के प्रयासों की भी सराहना की।

इस संवादात्मक सत्र ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और एनआईसी पंजाब के भीतर तकनीकी और प्रशासनिक प्रगति के महत्व को सुदृढ़ किया।

धन्यवाद ज्ञापन

अंतिम सत्र में, प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का समापन करते हुए, श्री विक्रम जीत ग्रोवर, एएसआईओ (राज्य) ने सभी प्रतिभागियों, फील्ड अधिकारियों आदि को हार्दिक धन्यवाद दिया जिन्होंने इस आयोजन को वास्तविकता बनाया। उन्होंने इस आयोजन को एक रोमांचक और समृद्ध अनुभव बताया जिसका

उद्देश्य जिला अधिकारियों को नवीनतम तकनीकों, राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और एनआईसी के निर्देशों के बारे में अद्यतन और अवगत कराना था। उन्होंने सभी डीआईओ/डीआईए और प्रतिभागियों को एनआईसी पंजाब द्वारा की जा रही नई पहलों में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री विक्रम जीत ग्रोवर ने अपने समापन भाषण में, अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न परियोजनाओं में खुद को सक्रिय रूप से शामिल करने के महत्व पर जोर दिया ताकि उनकी प्रतिभा और क्षमताओं का दोहन किया जा सके। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ने शासन सुधारों, तकनीकी प्रगति और डिजिटल परिवर्तन पहलों में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। एनआईसी पंजाब की ओर से उन्होंने श्री आई.पी.एस. सेठी, महानिदेशक और राज्य समन्वयक एनआईसी पंजाब को उनके प्रोत्साहन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी एनआईसी अधिकारियों, आउटसोर्स मैनपावर को भी इस आयोजन के संचालन में उनकी भागीदारी और योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्री विवेक वर्मा, डीडीजी और एसआईओ पंजाब के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त किया और स्वीकार किया कि इस कार्यशाला की सफलता उनकी अटूट प्रतिबद्धता, नेतृत्व और समर्थन के बिना संभव नहीं होती। कार्यशाला ने न केवल ज्ञान प्रदान किया है, बल्कि प्रतिभागियों के बीच साझा जिम्मेदारी और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दिया है।

In a significant step towards professional development and knowledge enhancement, NIC Punjab successfully organized a two-day Training Programme-cum-Workshop. This transformative event took place at Mahatma Gandhi State Institute of Public Administration (MGSIPA) in Chandigarh from February 4th to February 5th, 2025. The workshop, presided over by Sh. Vivek Verma, DDG & SIO Punjab, served as a platform for learning, collaboration, and growth. All the external speakers apart from NIC Punjab were greeted with plant pot as a token of regard. This workshop successfully created a platform for open communication, allowing officers to share their experiences, issues, challenges, and potential solutions.

Training Programme–cum-Workshop - Day 1 (4th Feb, 2025)

The workshop commenced with participant registration, followed by the welcome of dignitaries and the lightening of the ceremonial lamp. Ms. Rupinder Kaur, Joint Director (IT) & Scientist-D, warmly welcomed all attendees and highlighted the benefits of this educational initiative. The event was honoured by the virtual presence of Sh. Inder Pal Singh Sethi, Director General (DG) & State Coordinator of NIC Punjab through Video Conferencing. Sh. Sajjad Akhtar, HoD Training Division NIC Delhi also attended the workshop.

Sh. Vivek Verma, DDG and SIO Punjab gave the inaugural session welcoming Sh. Inder Pal Singh Sethi, Director General (DG) & State Coordinator of NIC Punjab, who was connected through Video Conferencing, Sh. Sajjad Akhtar, HoD Training Division and Sh. Anil Kumar Sharma, Director (IT), Data Analytics (DA) Informatics Division, NIC HQ and all other participants from State Centre and Districts.

Sh. Vivek Verma, DDG and SIO Punjab, in the inaugural session, extended his gratitude to Sh. Inder Pal Singh Sethi, Director General, NIC for his support and encouragement in organizing the workshop. He also appreciated the contributions of the HoD Training Division HQ and emphasized the critical role of

district officers in implementing IT initiatives at the grassroots level. He acknowledged the exceptional performance of newly recruited DIAs in recent elections and encouraged them to leverage senior DIOs' guidance. He stressed the importance of workshops in fostering collaboration, learning new tools, and sharing innovative ideas to enhance district-level IT governance. He also thanked the DIOs for continuous IT support and their advisory role for making the things easier for district administration.

In his address, Sh. Sajjad Akhtar, Scientist F and HoD Training Division, NIC Delhi commended SIO Punjab for organizing the workshop and emphasized the role of NIC Delhi's Training Division in regularly conducting training programs to upskill NIC officers. He urged all officers to take advantage of these learning opportunities. He also extended warm congratulations to the SIO Punjab and his team for successfully organizing this comprehensive two-day training cum workshop. This event showcases the dedication and commitment of NIC Punjab.

Sh. I.P.S. Sethi, DG NIC, speaking via video conferencing, commended NIC Punjab for its initiative, emphasizing the importance of such programs in raising awareness about advancements in the IT sector. He acknowledged NIC Punjab's leadership in technology adoption, highlighting its contributions through the successful implementation of flagship applications such as Election, NeVA, eOffice, and eSanad. He suggested that NIC Punjab share two of its innovative products for replication in other states with minimal customization and training. Additionally, he emphasized the significance of capacity building and the adoption of emerging technologies while assuring continued support to the State Government. He reiterated his full commitment and expressed confidence in Punjab's ability to meet expectations.

Following the inaugural session, presentations from Division 2, Division 4, and Division 6 were delivered, highlighting important flagship projects being managed by them. Division 2 gave presentation of their projects including overview on Hybrid App Development Paradigm, Prompt engineering, cyber security guidelines etc…

The SIO Punjab emphasized the importance of these presentations in equipping district officials with the necessary knowledge to effectively implement IT solutions at the district level. He also highlighted projects that are best managed and executed at the district level. Additionally, he suggested offering the website generation solution developed by the NIC Punjab State Centre team to district administrations upon request. Sh. Vikram Jeet Grover, ASIO State, further encouraged DIOs, ADIOs, and DIAs to familiarize themselves with the functionality of these projects, ensuring their successful adoption at the district level.

Sh. Pratik Choudhary, Deputy Director (A&V), UIDAI Delhi, conducted a technical session on Aadhaar Authentication Ecosystem, emphasizing audit and compliance requirements for Aadhaar data usage across various sectors. He outlined guidelines for AUAs and Sub-AUAs and explained Aadhaar authentication methods and the Aadhaar Vault. His session included valuable insights into the facts surrounding Aadhaar, its legal provisions, and its practical applications. He shed light on the significance of Aadhaar authentication and delved into various use cases and methods for Aadhaar verification.

A motivational session by Sh. Vivek Atray (IAS Retd.) on "Finding Success Within Through Emotional Intelligence" provided valuable insights on maintaining work-life balance, emotional intelligence, physical and mental fitness, spirituality, and the importance of personal well-being.

Sh. Anil Kumar Sharma, Director (IT), DA Informatics Division, NIC HQ, led a technical session on Tejas VI Data Analytics. He demonstrated Tejas, an in-house visualization tool developed by NIC, and its

integration with NIC services like CollabFiles, NIC Forms, and Sandes. He elaborated on data preparation, data access methods, visualization capabilities, and the tool's usage in various government projects, such as the Delhi State Department of Excise and NGDRS.

Mr. Ajit Kundan, Manager – Solution Consulting, Accops, conducted a technical session on WEB VPN, a secure, Made-in-India solution for accessing eOffice. He highlighted its growing adoption by organizations such as CRPF, ISRO, and DRDO, especially in response to the government's restrictions on remote desktop applications like Any Desk and TeamViewer. He also discussed the increased reliance on WEB VPN during the COVID-19 pandemic.

Throughout the day, newly recruited DIAs shared their experiences and the knowledge gained from the workshop. SIO Punjab reiterated that the workshop aimed to empower NIC officers for digital transformation, emphasizing the crucial role of DIOs and DIAs in IT governance at the district level. He encouraged district officers to familiarize themselves with NIC Punjab's projects to effectively address queries and provide informed solutions within their jurisdictions.

Training Programme–cum-Workshop - Day 2 (05.02.2025)

On the second day, presentations from Division 5, Division 7, and IVFRT were delivered, showcasing key flagship projects managed by these divisions. Division 5 also provided an overview of AI concepts and presented two case studies demonstrating their practical applications. Division-I, underscored the benefits of teamwork in achieving division objectives in a defined time frame. Sh. Raj Kumar Tickoo, HoD & IVFRT Coordinator Punjab told status and details about eSanad and ICJS. Division 7 demonstrated the two use cases of micro services with brief on Microservices Architecture.

SIO Punjab suggested HRMS, eTula, PDS etc… are the projects to be handled best at district level. He appreciated the support provided by district Officers for implementation of eSanad in Punjab.

Sh. Sanjay Sawhney, Senior Director (IT) and Email Coordinator, NIC Punjab, conducted a session on Emailing, Email Policy, and the Digital Personal Data Protection Act 2023. His session covered essential guidelines for secure email communication, best practices in email management, and compliance measures under the new data protection framework.

Interaction Session of ASIO District Zone 1 and ASIO District Zone 2

During the interaction session of ASIO Zone 1 and Zone 2, several district officers presented their projects and technological initiatives. Key highlights include:

- Sh. Usha Rai, Scientist F and ASIO District (Zone 2), emphasized the importance of using Hindi for daily office work and maintaining relevant records. She announced the upcoming development of a system for managing such records. She also encouraged DIOs to enrol in the training programs offered by NIC Delhi and Vidyakosh.
- Sh. Usha Rai, ASIO District (Zone 2) highlighted the organization of various trainings earlier through VC for newly recruited DIAs. She also instructed them to use proper designation in letter, email signature and on stamp as well.
- Sh. Anil Dogra introduced eSAM, an upcoming NIC Asset Management System.
- Sh. Sandeep Gupta, Scientist F and DIO Bathinda requested the SIO to initiate the implementation of AEBAS at district-level offices.
- Sh. Anil Palta, Scientist F and DIO Ferozepur (Zone I), discussed the development of E-Malkhana and a source code utility by the DIO.

- Sh. Sanjeev Kumar, Scientist E and DIO Patiala (Zone I), provided an overview of projects being implemented in District Patiala, including the deployment of the SAKHI App for complaint registration and tracking for aggrieved women against violence.
- Sh. Pankaj Jain elaborated on the use and significance of various various NIC applications such as FARPS, CISCO VPN, eForms, and Web VPN etc...
- Sh. Jony, Scientist B and DIO Barnala, also shared his experience and role of NIC Barnala for providing IT support to District.
- Sh. Karan, Scientist D and DIO Gurdaspur, spoke about software testing and audit procedures for Application Security Audits within NIC.
- Sh. Shine, DIO Malerkotla, delivered an engaging presentation on Generative AI, covering its fundamentals and prerequisites for mastery.
- Sh. Sahil, DIA Kapurthala, and Sh. Himanshu, DIA Tarn Taran, presented insights on combating cybersecurity threats using AI and ML.

Session with Admin Section

Ms. Anju Verma, Section Officer, NIC Punjab, provided a comprehensive briefing on administrative procedures including guidelines and instructions, emphasizing compliance in leave, tour approvals, medical bills, NOC, Hospitality, CHGS/AMA, LTC, travelling allowances, punctuality, and office discipline. She also advised to apply tour/Official duty properly, apply for joining in time, take approval of leave before availing, and apply station leave as and when required. She told about the processing of bills online shortly through PFMS. She also appreciated the efforts of all admin and its support staff for all types of administrative work in NIC Punjab.

This interactive session provided valuable insights and reinforced the importance of technological and administrative advancements within NIC Punjab.

Vote of Thanks

In the concluding session, while wrapping up the training-cum-workshop, Sh. Vikram Jeet Grover, ASIO (State) delivered a heartfelt vote of thanks to all the participants, field officers etc... who made this event a reality. He described this event as an exciting and enriching experience that was aimed to update & apprise the District Officers about the latest technologies, priorities of the State Govt and directions of NIC. He encouraged all DIOs/DIAs and participants to actively contribute to new initiatives being undertaken by NIC Punjab.

Sh. Vikram Jeet Grover, in his closing remarks, emphasized the importance of showing one's potential and actively involving oneself in different projects so as to tap their talent & capabilities.

The two-day training programme provided valuable insights into governance reforms, technical advancements, and digital transformation initiatives, reinforcing the role of NIC Punjab in fostering e-Governance solutions. On behalf of NIC Punjab, he expressed his gratitude to Sh. I.P.S. Sethi, DG & State coordinator NIC Punjab for his encouragement and support. He thanked all the NIC officers, outsourced manpower as well for their involvement and contributions for conduct of the event.

He also expressed deep gratitude to Sh. Vivek Verma, DDG & SIO Punjab, acknowledging that this workshop's success would not have been possible without his unwavering commitment, leadership and support. The workshop has not only imparted knowledge but also fostered a sense of shared responsibility and collaboration among participants.

Few glimpses of the event are as below:

Lightening of Lamp

Inaugural Session on 04.02.2024

Felicitation to Speakers

Glimpses of Day 1 (04.02.2025)

Glimpses of the Day 2 (05.02.2025)